

प्रदेश की अर्थव्यवस्था के लिए गेमचेंजर साबित होगा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट

जगरूक संवर्द्धता, जेवर: नोएडा एयरपोर्ट प्रदेश की अर्थव्यवस्था के लिए एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में मजबूत स्ट्रैटेजिक इंजन के रूप में निर्णायक साबित होने जा रहा है। 28 मार्च को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसका शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन से विकसित यह एयरपोर्ट प्रदेश के लंबे समय से लैंड-लाकड अर्थिक पोटेंशियल को अनलाक करेगा और कृषि, एमएसएमई, लाजिस्टिक्स, पर्यटन व उद्योगों को सीधे वैश्विक बाजार से जोड़ेगा। बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन, निवेश आकर्षण और मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी के चलते यह परियोजना न केवल प्रदेश को जीडीपी की नई गति देगी, बल्कि प्रदेश को राष्ट्रीय ही नहीं, वैश्विक आर्थिक मानचित्र पर एक मजबूत पहचान भी दिलाएगी। देश का सबसे बड़ा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट सात करोड़ यात्रियों की वार्षिक क्षमता और लगभग 10 लाख टन कार्गो हैंडलिंग के साथ कृषि, एमएसएमई और लाजिस्टिक्स सेक्टर को नई गति देगा। इसके जरिये फल, सब्जी, डेयरी और सजावटी फूल जैसे उत्पाद सीधे अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचेंगे और किसानों की आय में 20-30 प्रतिशत तक वृद्धि की संभावना है। लाजिस्टिक्स लागत घटने और निर्यात बढ़ने और वैश्विक कनेक्टिविटी बेहतर होने से प्रदेश को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर



नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का कार्गो टर्मिनल • ए. प्रबोधन

रियल एस्टेट और इंडस्ट्री को मिलेगा व्यापक बूरस्ट

जेवर एयरपोर्ट के विकास के साथ प्रदेश में रियल एस्टेट और औद्योगिक क्षेत्र में व्यापक बदलाव देखने को मिलेगा। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण तेजी से शानदार निवेश और औद्योगिक केंद्र के रूप में उभरेंगे। बुलंदशहर, अलीगढ़ और मथुरा-वृंदावन तक अर्बन एक्सप्रेसन कारिडोर विकसित होकर नए शहरों और टाउनशिप को जन्म देगा। एयरपोर्ट के आसपास होटल, वेयरहाउस, ऑफिस स्पेस, लाजिस्टिक्स पार्क और डेटा सेंटर में बड़े निवेश आकर्षित होंगे।

सशक्त पहचान मिलेगी। एयरपोर्ट से प्रदेश में व्यापार और पर्यटन के नए आयाम स्थापित होंगे। दिल्ली व एनसीआर, आगरा, मथुरा, वृंदावन और वाराणसी प्रमुख धार्मिक शहरों को एक वैश्विक पर्यटन सर्किट से जोड़ेगा। अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की आवाजानी में वृद्धि होगी। बेहतर कनेक्टिविटी के चलते धार्मिक पर्यटन, मेडिकल टूरिज्म और बिजनेस ट्रेवल को भी नई गति मिलेगी। एयरपोर्ट के पूर्ण क्षमता के साथ संचालित होने पर व्यापक आर्थिक प्रभाव से प्रदेश की जीडीपी में एक प्रतिशत से अधिक की वृद्धि संभव है। नोएडा एयरपोर्ट की

प्रदेश में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन में अहम भूमिका होगी। एयर इंडिया सैंट्स आफ यूपीडीएफ के चेयरमैन पंकज जयसवाल के अनुसार, शुरुआती पांच वर्षों में एयरपोर्ट आपरेशन, ग्रांड हेंडलिंग जैसे क्षेत्रों में 20,000 से अधिक व एमआरओ, कार्गो, लाजिस्टिक्स और एविएशन सर्विसेज में 30,000 से अधिक, कुल मिलाकर 50,000 से अधिक रोजगार सृजित होंगे। वहीं कृषि, ट्रांसपोर्ट, सप्लाय चेन, एमएसएमई, होटल और पर्यटन जैसे सेक्टरों में पांच लाख से अधिक अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे।